



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 56]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 5, 2003/माघ 16, 1924

No. 56]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 5, 2003/MAGHA 16, 1924

पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2003

सा.का.नि. 80(अ).—भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने 15 अगस्त, 2002 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में यह घोषणा की थी कि "संस्कृति विभाग, विभिन्न प्रकार की सामग्रियों में विहित भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक, बौद्धिक, साहित्यिक तथा आध्यात्मिक ज्ञान के अमूल्य खजाने का परिरक्षण तथा प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन शुरू करेगा। अन्य कार्यों के साथ-साथ, यह मिशन, एक राष्ट्रीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय की स्थापना करेगा और पुस्तक के रूप में प्रकाशन तथा साथ ही मशीन के माध्यम से पठनीय रूप के माध्यम से प्रकाशित करके इन पाण्डुलिपियों की तत्काल सुलभता बढ़ाएगा।"

II. उपर्युक्त कार्य की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में आम सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय, संस्कृति विभाग में भारत सरकार ने वार्षिक कार्य योजना, बजट और राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के अनेक कार्यकलापों के सूक्ष्म ब्यौरे तैयार करने के लिए एक कार्यकारी कार्यकारी समिति का गठन किया है। इस कार्यकारी समिति का संघटन निम्नलिखित होगा :-

कार्यकारी समिति

- | | |
|---|-------------------|
| 1. सचिव, संस्कृति | - अध्यक्ष |
| 2. सदस्य सचिव, आई.एन.जी.एन.सी.ए. | - सरकारी सदस्य |
| 3. संयुक्त सचिव, संस्कृति | - -वही- |
| 4. मिशन निदेशक | - -वही- |
| 5. प्रोफेसर वी. कुटुम्ब शास्त्री,
निदेशक,
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान,
नई दिल्ली | -गैर सरकारी सदस्य |
| 6. श्री ओ.पी. अग्रवाल
संरक्षण विशेषण,
इंटेक, नई दिल्ली | - -वही- |
| 7. डा. एच.एच. मखदूमि | - -वही- |

III. गैर-सरकारी सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। तथापि, सरकार, उक्त कार्यकाल पूरा होने से पहले, बिना कोई कारण दिए किसी भी सदस्य की सदस्यता समाप्त कर सकती है या उचित समझने पर कार्यकारी समिति का पुनर्गठन कर सकती है।

IV. कार्यकारी समिति, ऐसे किसी भी समय जब अध्यक्ष आवश्यक समझे, अपनी बैठक करेगी।

[सं. एफ. 3-5/98-पुस्त.]

के. जयकुमार, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CULTURE

(Department of Culture)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th February, 2003

G.S.R. 80(E).—In his Independence Day Speech on August 15th 2002, the Prime Minister of India announced that "The Ministry of Culture will launch a National Mission for Manuscripts to preserve and unlock the precious treasure house of scientific, intellectual, literary and spiritual knowledge in different Indian languages, contained in different kinds of material. Among other things, the Mission will set up a National Manuscripts Library and promote ready access to these manuscripts through publication in book form as well as in machine readable form."

II. As a follow up to the above it is notified for general information that the Government of India in the Ministry of Tourism & Culture, Department of Culture have constituted an Executive Committee to facilitate preparation of annual action plans, budget and to work out the micro-details of various activities of the National Manuscripts Mission. The composition of this Executive Committee will be as under-

Executive Committee:

- | | | |
|----|---|---------------------|
| 1. | Secretary, Culture | Chairman |
| 2. | Member Secretary, INGNCA | Official-Member |
| 3. | Joint Secretary, Culture | - do - |
| 4. | Mission Director | - do - |
| 5. | Prof. V. Kutumba Sasri
Director
Rashtriya Sanskrit Sansthan
New Delhi. | Non-official Member |
| 6. | Shri O.P. Aggarwal
Conservation Expert
INTACH, New Delhi. | - do - |
| 7. | Dr. H.H. Makhdooni
Director
Archaeology & Museum
Jammu & Kashmir. | - do - |

III. The term of office of non-official members shall be two years. The Government may, however, terminate the membership of any member before the completion of the above term without assigning any reason or may reconstitute the Executive Committee as deemed proper.

IV. The Executive Committee shall meet as often as the Chairman may consider necessary.

[F. No. 3-5/98-Lib.]

K. JAYAKUMAR, Jt. Secy.